''कविता के विविध रंग'' त्रिलोचन शास्त्री

डॉ0 मंजूकुमारी

हिन्दी की प्रगतिवादी कविताधारा के कवियों में त्रिलोचन का नाम विशेष समादृत है। आपकी कवितायें विविध रंगों की रचनाएं है। इन कविताओं में एक ओर अनुराग है तो दूसरी ओर चेतना वैश्विक, कहीं तुलसी के दर्शन, तो कहीं निराला के राग, कहीं आधुनिकता की हताशा अभिव्यंजना तो कहीं सत्य की आत्मसत्ता।

अन्तोत गत्वा प्रगतिशील हिन्दी कवियों की नवीनतम पीढ़ी में त्रिलोचन शास्त्री जैसे कवियों को समझने और आत्मसात करने के लगन बढ़ रही है।